125 करोड़ रजिस्ट्रेशन अभी तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार आधार कार्ड के लिए हो चुके हैं। आधार को पहली बार सरकार ने वर्ष 2010 में लांच किया था।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 29 दिसंबर 2019

पूस के रात-दिन इसलिए हुए बहुत सर्द

पूस की रात अपनी सर्दी के लिए जानी जाती हैं। लेकिन इस बार रातों के साथ दिन भी सर्दी का रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। जनजीवन सिकुड़ गया है। अलबत्ता तो घर में ही ठंड लग रही है, ऐसे में बहुत जरूरी होने पर ही लोग बाहर निकल रहे हैं। दो लोगों के मिलने पर बातचीत की शुरुआत सर्दी के प्रकोप से ही हो रही है। सोशल मीडिया पर भी इसकी ही चर्चाएं छिड़ी हुई हैं। ऐसे में इस बार कई सालों का रिकॉर्ड तोड़ रही सर्दी की वजहों पर पेश है एक नजर:

श्रीनगर में सर्दी के कारण जमी डल झील और बर्फ में से रास्ता बनाता नाविक। ● एएनआइ

10 डिग्री से नीचे तापमान

अमूमन प्रति वर्ष दिसंबर के दूसरे सप्ताह से जनवरी के दूसरे सप्ताह तक उत्तर एवं उत्तर पश्चिमी भारत में कड़ाके की ठंड पड़ती है। कुछ स्थानों पर तापमान दो से 4 डिग्री तक गिर जाता है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी यूपी में दिसंबर महीने में अधिकतम तापमान 16 से 18 डिग्री से अधिक नहीं पहुंचता। दिल्ली, उत्तरी राजस्थान का तापमान इस महीने में 20 से 22 के आसपास रहता है। लेकिन इस बार अधिकांश क्षेत्रों में तापमान 10 डिग्री से भी नीचे चला गया है।

कितनी सर्द है यह ठंड

सर्दी की तीव्रता तय करने के लिए मौसम विभाग के कुछ पैमाने हैं। दिन में जब अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 4.5 डिग्री सेल्सियस कम हो तो उसे ठंडा दिन माना जाता है। लेकिन जब यह गिरावट कम से कम 6.5 डिग्री हो जाए तो इसे गंभीर सर्दी की स्थिति कहते हैं।

सीकर में पेड़ों की डालियों पर जमी बर्फ। ● प्रेट्र

धर्मशाला में पेड़ पर बैठा उल्लू।

दिल्ली में सर्दी का इंतजाम करते और आग तापते लोग। ● एपी

1901 के बाद इतनी सर्द रही दिल्ली

27 दिसंबर तक दिल्ली में औसत अधिकतम तापमान 20 से कम ही रहा। दिल्ली में 118 वर्षों का रिकार्ड टूट गया है। इतने दिनों में ऐसा चार बार ही हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली के लिए 1901 से अबतक का दूसरा सबसे ठंडा महीना दिसंबर है। 1901 के दिसंबर में यहां का अधिकतम औसत तापमान 17.3 था। दिल्ली में 14 से 27 दिसंबर के बीच लगातार 14 दिन काफी ठंडे रहे। 1997 के बाद से यह सबसे लंबी अवधि है। उस वर्ष लगातार 13 दिन शीतलहर की चपेट में रहे।

स्थिति अस्वाभाविक नहीं है

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह की सर्दी में कुछ भी असामान्य नहीं है। सामान्यत: उत्तर और उत्तरपूर्व भारत में पश्चिमी हिस्से और पश्चिमी विक्षोभ की वजह से ठंडी हवाएं आती हैं। पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से नमीयुक्त हवा लेकर आता है। इस वजह से उत्तरी और उत्तर पश्चिमी हिस्से में बारिश भी होती है। ठंड की तीव्रता जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्र की बर्फवारी पर भी निर्भर करती है। ये स्थितियां हर वर्ष समान नहीं रहतीं। बदलती रहती हैं। इसी के हिसाब से ठंड भी कम या ज्यादा पड़ती है।

बहुत नीचे स्तर पर बनने वाले बादल

भारत और पाकिस्तान के बड़े भूभाग में निचले स्तर पर छाये घने बादलों ने भी मौसम को सर्द करने में अहम भूमिका निभाई है। इसी वजह से तापमान में इतनी गिरावट दर्ज की जा रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार सिंधु-गंगा के मैदानी भूभाग में ऐसे बादलों का बनना चकित करता है। 1997 से ही ऐसे बादल देखे जा रहे हैं। ये बादल तीन सौ से चार सौ मीटर की ऊंचाई पर बनते हैं। ये सूर्य की रोशनी को व्यापक स्तर पर रोक देते हैं। इसका नतीजा असामान्य ठंड के रूप में सामने आता है।

प्रचंड सर्दी की वजह

जलवायु परिवर्तन : मौसम विज्ञानियों के अनुसार दिसंबर में ऐसी असामान्य सर्दी पड़ने की वजहों में से एक जलवायु परिवर्तन भी है। इसके चलते पूरी दुनिया में लू और शीतलहर की असामान्य हालत पैदा हुई है। आने वाले समय में स्थिति और विषम होगी। भारत के अलग-अलग इलाकों में बेमौसम बारिश से मौसम विज्ञानी भी हैरान थे। वैज्ञानिकों का कहना है कि अनिश्चितता की स्थिति ऐसी हो गई कि मौसम को भांपना मुश्किल हो गया है। इसके कारण लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

पश्चिमी विक्षोभ : सर्दी की एक वजह यह भी है। अक्सर सामान्य से गंभीर पश्चिमी विक्षोभ की स्थितियां बन रही हैं। इसके अलावा उत्तर पश्चिमी की तरफ से हवाएं काफी नीचे के स्तर से बहने के कारण ठंड में इजाफा होता गया। इसके साथ दिसंबर में हर पश्चिमी विक्षोभ के बाद पैदा हुए धुंध, कुहासा और बारिश ने इसे बढ़ाने का काम किया।

न्यूज गैलरी

नहीं रहे 'मेरा नाम जोकर' के बौने कलाकार नत्थू दादा

राजनांदगांव : राजकपूर, अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र जैसे कई नामी सिने हस्तियों के साथ फिल्मों में काम कर चुके बौने कलाकार नत्थू दादा का 70 वर्ष की उम्र में शनिवार तड़के चार बजे निधन हो गया। छोटे कद के बड़े कलाकार नत्थू दादा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के रामपुर गांव के रहने वाले थे। नत्थू दादा ने करीब 20 साल के अपने फिल्मी सफर में 150 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। राजकपूर के साथ 'मेरा नाम जोकर' से अपने फिल्मी सफर की शुरुआत करने वाले नत्थू दादा इन दिनों गरीबी में जीवन बसर कर रहे थे। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम रामपुर में किया गया। 1969 में भिलाई में जब फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित हुई थी, उस समय नत्थू दादा अपने साथी के साथ दारा सिंह को देखने भिलाई पहुंचे थे। तब दारा सिंह ने भीड़ के बीच उन्हें अपने हाथों में उठा लिया था। दारा सिंह ने ही उन्हें मायानगरी (मुंबई, तब की बांबे) में राज कपूर से मुलाकात करवाई। 1970 में बनी फिल्म मेरा नाम जोकर में नत्थू दादा ने अभियन की शुरुआत की। (नईदुनिया)

नत्थू दादा फाइल

सेना ने सिक्किम में फंसे 1700 पर्यटकों को बचाया

गंगटोक : भारतीय सेना ने पूर्वी सिक्किम के नाथू ला दर्रे के पास फंसे करीब 1,700 पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया है। करीब 300 वाहनों में 1500 से 1700 के आसपास पर्यटक गंगटोट से यात्रा कर रहे थे। एक सरकारी बयान के अनुसार भारी बर्फबारी के चलते शुक्रवार शाम को जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर पर्यटक फंस गए। उस समय पर्यटक नाथू ला की त्सोमगो झील से लौट रहे थे। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत करीब 1,700 यात्रियों को निकाला गया। उनमें से 570 लोगों को सेना के शिविर में ठहराया गया है। पर्यटकों को खाना, गरम कपड़े और दवाएं उपलब्ध कराई गईं। बर्फ हटाने के लिए और संपर्क बहाल करने के लिए सेना बुलडोजर एवं क्रेन की मदद ले रही है। पर्यटकों के गंगटोक लौटने तक राहत अभियान जारी रहेगा। (प्रेट्र/आइएएनएस)

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता : बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका नाम रहीम शेख था। फायरिंग में तीन लोग जख्मी हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार देर रात रहीम दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। भारती मोड़ के पास कुछ लोगों ने उन्हें घेरकर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी। गोली लगने से रहीम वहीं गिर पड़े। गोलियों की आवाज सुनकर वहां पहुंचे लोगों ने जब हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की तो उन्होंने उनपर भी गोलियां बरसा दी और भाग खड़े हुए। फायरिंग में तीन लोग जख्मी हो गए। (जासं)

कर्मनाशा नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त

हादसा ▶ उत्तर प्रदेश का कई राज्यों से संपर्क टूटा, 450 करोड़ रुपये की लागत से बना था

जागरण संवाददाता, चंदौली

उप्र-बिहार सीमा पर स्थित कर्मनाशा नदी पर 450 करोड़ रुपये की लागत से एनएच-2 पर बना पुल शुक्रवार देर रात ओवरलोड वाहनों के दबाव से क्षतिग्रस्त हो गया। पुल के पूर्वी छोर के शुरुआती चार पिलर क्षतिग्रस्त हो गए। इससे सड़क का ऊपरी हिस्सा धंस गया। इस दौरान पुल से गुजर रहे वाहन चालकों में अफरातफरी मच गई। पुल पर मौजूद वाहनों को लेकर किसी तरह चालक पश्चिमी छोर पहुंचे। अब वाहनों का आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से उप्र का बिहार, बंगाल, ओडिशा और झारखंड से संपर्क टूट गया है।

मार्ग बंद होते ही उप्र छोर पर लगभग दस किमी वहीं बिहार में 20 किमी वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस बैरिकेडिंग कर छोटे वाहनों को नौबतपुर बाजार में नदी पर बने 100 साल पुराने पुल से गुजार रही है। कर्मनाशा नदी पर करीब 254 मीटर लंबा पुल बनाया गया था।

2003 में शुरू हुए पुल का निर्माण 2009 में पूरा हुआ और वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया गया। इसके निर्माण में तकरीबन 450 करोड़ रुपये लागत आई थी और 30 वर्ष इसकी मियाद निर्धारित की गई थी। इस पुल से प्रतिदिन ढाई से तीन हजार ट्रकों के अलावा हजारों छोटे वाहनों का आवागमन होता था।

ओवरलोड ट्रकों की कतार से हुई घटना : शुक्रवार को पुल के दोनों छोर पर बालू लदे करीब ढाई सौ ओवरलोड ट्रक लाइन में खड़े थे, पुल भार नहीं झेल सका और उसके पूर्वी छोर के चार पाए टूट गए। इससे पुल का ऊपरी हिस्सा भी धंस गया। कार्यदायी संस्था की ओर से पुल की देखरेख व मरम्मत हर माह होनी चाहिए, लेकिन करीब एक साल से मरम्मत नहीं हो सकी थी।

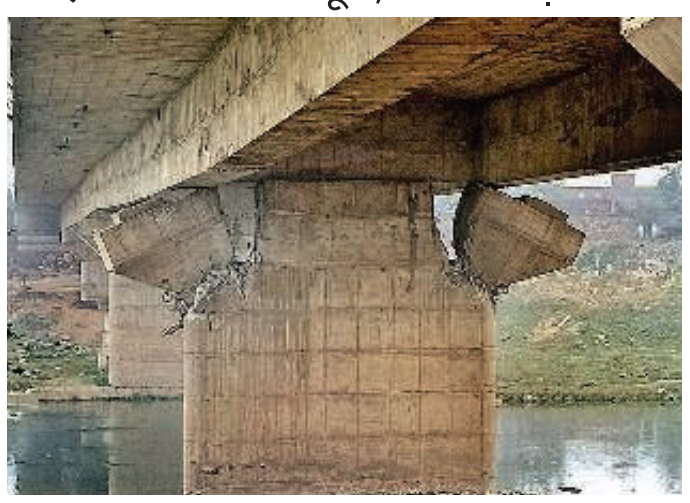

चंदौली (उप्र) में कर्मनाशा नदी पर बने पुल का खंभा वाहनों के दबाव से क्षतिग्रस्त हो गया। जागरण

- 2009 में पुल पर शुरू हुआ आवागमन, 30 साल थी मियाद
- पुल से रोजाना तीन हजार ट्रकों के अलावा हजारों छोटे वाहनों का आवागमन होता है

'एक साथ सैकड़ों की संख्या में ओवरलोड वाहनों के खड़े होने से पुल क्षतिग्रस्त हुआ। इसकी जांच कराई जाएगी। निर्माण इकाई प्रोग्रेसिव कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (पीसीएल) की भी जांच होगी। वैसे आवागमन के लिए क्षतिग्रस्त पुल के दोनों ओर अस्थाई व्यवस्था कराकर मार्ग को चालू कराया जाएगा। इसमें थोड़ा समय लग सकता है लेकिन दिन रात काम चलेगा।'

– कर्नल योगेश गढ़वाल, प्रोजेक्ट मैनेजर एनएचएआइ

केंद्रीय मंत्री ने ली जानकारी

केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने पुल के क्षतिग्रस्त होने का संज्ञान लिया। जिलाधिकारी से वस्तुस्थिति की जानकारी ली। दिल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य आरके पांडेय से वार्ता कर तत्काल यातायात व्यवस्था बहाल करने के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने के साथ पुन: स्थायी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कहा कि 2009 में बनकर तैयार हुए इस पुल के मात्र 10 वर्ष में क्षतिग्रस्त होने की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

सिख ने मस्जिद के लिए दी जमीन, बन सकेगा हाईवे

सत्येन ओझा, मोगा

- मोगा के दर्शन सिंह ने 16 मरले जमीन दान कर पेश की मिसाल
- गांव के मुस्लिम समुदाय ने भी 250 साल पुरानी मस्जिद शिफ्ट करने की दी सहमति

पंजाब में मोगा के गांव माछीके के किसान दर्शन सिंह सेखों की पहल से नेशनल हाईवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने हाईवे की जद में आ रही मस्जिद को शिफ्ट करने के लिए 16 मरले जमीन दान कर दी है। गांव के मुस्लिम समुदाय ने भी देश हित में 250 साल पुरानी मस्जिद को शिफ्ट करने पर सहमति दे दी है।

जालंधर-बरनाला हाईवे पर कस्बा निहालसिंह वाला के तहत गांव माछीके में मस्जिद हाईवे के बीच आ रही है। ये हाईवे जालंधर से मोगा शहर तक पूरी तरह बन गया है, लेकिन मोगा-बरनाला के बीच कुछ स्थानों पर अधूरा पड़ा है। माछीके में हाईवे का निर्माण मस्जिद के कारण पूरा नहीं हो पा रहा था।

छह साल से अटका था मामला : यह मामला पिछले छह सालों से अटका हुआ था। मुस्लिम समुदाय के लोगों को मस्जिद दूसरी जगह शिफ्ट करने के लिए कहा गया था, वे इसके लिए तैयार भी हो गए थे। मामला डिप्टी कमिश्नर व पंचायत के बीच कई सालों से चल रहा था। पंचायत मस्जिद के लिए जो जगह उपलब्ध करा रही थी, वह गांव से दो किलोमीटर दूर है। ऐसे में मुस्लिम समुदाय वहां मस्जिद बनाने के लिए तैयार नहीं था। गांव में मुस्लिम समुदाय के 15 परिवारों की आबादी लगभग 100 है।

मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के नाम रजिस्ट्री : एक सप्ताह पहले दर्शन सिंह सेखों ने गांव में ही अपनी 16 मरले जमीन देने का प्रस्ताव प्रशासन को दिया। यह प्रस्ताव मिलने से प्रशासन की बड़ी समस्या हल हो गई। सेखों ने भी जमीन बिना किसी शर्त के निश्शुल्क मस्जिद के लिए दे दी। मौजूदा रेट के हिसाब से इस जमीन की कीमत साढ़े सात लाख रुपये बनती है। एक सप्ताह पहले इस जमीन की रजिस्ट्री भी गांव की मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के नाम करा दी।

मुस्लिम समुदाय खुश

सोसायटी के अध्यक्ष रूप मोहम्मद ने गांव में मस्जिद के लिए जगह मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही मस्जिद का निर्माण कराकर पुराने स्थान की मस्जिद को यहां शिफ्ट कर दिया जाएगा। दर्शन सिंह के प्रस्ताव से पूरा मुस्लिम समुदाय खुश है।

पार्टी फंड के नाम पर हरियाणा के मंत्री से मांगे तीन करोड़

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मोबाइल नंबर को स्पूफ करके हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला से पार्टी फंड के नाम पर तीन करोड़ रुपये की मांग की गई। इस मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ कर रही है। रणजीत सिंह पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के पुत्र और हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला के दादा हैं। वह निर्दलीय चुनाव जीते थे और भाजपा का समर्थन करने पर उन्हें सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दिसंबर के पहले हफ्ते में चंडीगढ़ निवासी उपकार सिंह और सिरसा के जगतार सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मोबाइल नंबर को स्पूफ करके रणजीत सिंह चौटाला को फोन किया। इसमें उनसे पार्टी फंड के लिए तीन करोड़ रुपये की मांग की गई। गृह मंत्रालय से फोन आने की वजह से उन्होंने पैसे देने की बात से इन्कार नहीं किया, लेकिन बार-बार कॉल आने से शक जरूर हुआ। उन्होंने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में शिकायत की। सेल ने नंबर को इंटरसेप्ट करना शुरू कर दिया। सेल के कहने पर रणजीत सिंह ने शुक्रवार को पैसे ले जाने के बहाने उपकार सिंह को हरियाणा भवन में बुलाया। इंडिया गेट पर पहुंचते ही उपकार सिंह ने मंत्री को कॉल की, तभी उसकी लोकेशन का पता लगाकर स्पेशल सेल की टीम ने दबोच लिया। उससे पूछताछ कर जगतार सिंह को चंडीगढ़ से पकड़ा गया। हाई प्रोफाइल मामला होने के कारण स्पेशल सेल के अधिकारियों ने ज्यादा जानकारी देने से मना कर दिया है। सेल से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दोनों के पास जानकारी थी कि मंत्री के पास काफी पैसे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि गृह मंत्रालय के नाम पर वह आसानी से पैसे दे देंगे। इसलिए उन्हें निशाना बनाने की कोशिश की गई। दोनों के खिलाफ जालसाजी के पुराने मुकदमे होने की कोई जानकारी अभी सेल को नहीं मिली है।

क्राइम पेट्रोल से आया आइडिया : उपकार सिंह का चंडीगढ़ का रहने वाला है। वह एमएससी व पीएचडी है। जबकि सिरसा का जगतार टैक्सी स्टैंड चलाता है। दोनों चंडीगढ़ में एक फ्लैट बुक कराने के दौरान मिले थे। आरोपितों का कहना है कि पैसे की कमी थी। क्राइम पेट्रोल देख कर उन्हें इसका आइडिया आया। इसके लिए वे कॉल स्पूफिंग कर रहे थे, क्योंकि ऐसी कॉल कई सर्वर से होकर जाती है और पकड़ना मुश्किल होता है। काफी मशक्कत के बाद पुलिस दोनों तक पहुंची।

तीन करोड़ मांगने की बात अफवाह : रणजीत सिंह

उधर, सिरसा में रणजीत सिंह चौटाला ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के नाम से तीन करोड़ रुपये मांगने की कोई फोन कॉल नहीं है। किसी ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई है।

राजदीप सरदेसाई पर पोल के लिए अमित मालवीय की आलोचना

नई दिल्ली, प्रेट्र : एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने पत्रकार राजदीप सरदेसाई पर आक्रामक ऑनलाइन पोल चलाने के लिए भाजपा आइटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय की आलोचना की है। एडिटर्स गिल्ड ने सत्तारूढ़ पार्टी से कहा है कि वह इस मामले में अपने पदाधिकारी को कड़ी चेतावनी दे। अमिक मालवीय से कथित ट्विटर पोल हटाने के लिए भी कहा गया है।

दरअसल, मालवीय ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक ऑनलाइन पोल चलाया। इसमें पूछा गया कि क्या राजदीप सरदेसाई को आइएस के जनसंपर्क का काम देखना चाहिए? उन्होंने ट्विटर यूजरों को जवाब के लिए चार विकल्प भी दिए- सहमत, दृढ़तापूर्वक सहमत, असहमत और वे अप्रासंगिक हैं। एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने एक बयान में कहा कि मालवीय के इस निंदनीय कृत्य से उसे हैरानी हुई है। ट्विटर पर चलाया गया यह पोल न सिर्फ बेमजा है, बल्कि यह सरदेसाई की ईमानदारी और देशभक्ति पर भी सवाल उठाता है, जो एक प्रतिष्ठित पत्रकार और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष हैं।

एडिटर्स गिल्ड ने कहा है कि यह ऑनलाइन पोल स्वस्थ बहस और असहमति के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने भी इसकी आलोचना की है और कहा है कि एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रवक्ता का यह बर्ताव अपमानजनक है।

हनी ट्रैप मामले में व्यवसायी, अफसर व मीडियाकर्मी भी थे शामिल

अनिल शुक्ला, भोपाल

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले की चार आरोपितों के खिलाफ मानव तस्करी के आरोप में एसआइटी (विशेष जांच दल) द्वारा भोपाल की जिला अदालत में पेश चालान में कई चौंकाने वाले राजफाश हुए हैं। चालान में मानव तस्करी मामले की पीड़िता और हनी ट्रैप मामले की आरोपित मोनिका यादव ने पुलिस को दिए बयानों में बताया है कि इन आरोपितों के साथ मध्य प्रदेश के कई बड़े व्यवसायी, मीडियाकर्मी और पुलिस अधिकारी भी शामिल थे।

शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट रोहित श्रीवास्तव की अदालत में पेश चालान से पता चला है कि मामले में आरोपित आरती दयाल, श्वेता विजय जैन के साथ व्यवसायी अरुण सहलोत और मीडियाकर्मी वीरेंद्र शर्मा छह-सात वर्षों से मिलकर काम करते थे। मानव तस्करी मामले में पीड़ित युवती मोनिका यादव ने एसआइटी को दिए बयानों में बताया है कि अरुण सहलोत ने ही आइएएस पीसी मीणा के अश्लील वीडियो वायरल किए थे। इस वीडियो के वायरल होने के बाद श्वेता विजय जैन और आरती दयाल के बीच दूरियां बन गई थीं।

मोनिका ने बयानों में बताया है कि आरोपितों द्वारा ब्लैकमेल किए जाने वाले हर मामले में एक अन्य मीडियाकर्मी गौरव शर्मा ही माध्यम होता था और मीडियाकर्मियों के माध्यम से ही ब्लैकमेल के पैसों का लेन-देन होता था। आरोपितों ने ब्लैकमेलिंग के जरिये ट्रांसफर, पोस्टिंग, सरकारी ठेके दिलाने का काम ले रखा था। इस मामले में छतरपुर के एक थाना प्रभारी की भी भूमिका सामने आई है, जिसे आरोपितों द्वारा अश्लील वीडियो बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करने संबंधी सभी बातें मालूम थीं।

मोनिका ने बयान में बताया कि आरती दयाल ने छतरपुर में एक स्थानीय नेता मनोज त्रिवेदी का अश्लील वीडियो बनाया था। वह उससे मोटी रकम वसूलना चाहती थी, लेकिन उस थाना प्रभारी ने आरती को बताया कि मनोज प्रभावशाली नेता है। उसकी बात सुनकर आरती ने मनोज को ब्लैकमेल करने का इरादा छोड़ दिया था। आरोपितों ने छतरपुर के कार शोरूम संचालक मनीष अग्रवाल, भोपाल के व्यवसायी नरेश सीतलानी, खुद को सरकारी अफसर बताने वाले अरुण निगम व हरीश खरे को ब्लैकमेल करके मोटी रकम और सरकारी ठेके हासिल किए थे। ब्लैकमेलिंग के जरिये आरोपितों ने आइएएस पीसी मीणा से 20 लाख रुपये, व्यवसायी नरेश सीतलानी से पांच लाख रुपये और एक अन्य आइएएस अधिकारी से एक करोड़ रुपये लिए थे। इस मामले में मीडियाकर्मी गौरव शर्मा भी शामिल था, जिसके हिस्से में 33 लाख रुपये आए थे। गौरव शर्मा ही पूरे पैसों का सेटलमेंट कराता था। इस मामले में एसआइटी पूरक चालान पेश करेगी, जिसमें गौरव शर्मा और ओमप्रकाश नामक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

एसआइटी ने चालान में बताया है कि आरोपित आरती दयाल की गुलाबी डायरी में सरकारी अधिकारियों के ट्रांसफर संबंधी जानकारी और अंतरंग वीडियो के आधार पर की गई ब्लैकमेलिंग से करोड़ों की उगाही की जानकारी दर्ज है।

मेरी कॉम के बर्ताव से आहत हुईं निखत

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

निखत ने कहा, मेरी कॉम ने जैसा बर्ताव किया, उससे मैं आहत हुई हूं। उन्होंने रिंग के अंदर भी कुछ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, लेकिन ठीक है। मैं जूनियर हूं, मुकाबला खत्म होने के बाद अगर वह गले लग जाती तो यह अच्छा होता। लेकिन मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती। उन्होंने मुकाबले के बाद भी मुझे अपशब्द कहे लेकिन कोई बात नहीं।'

तेलंगाना का विरोध : तेलंगाना मुक्केबाजी संघ का प्रतिनिधित्व कर रहे एपी रेड्डी ने मेरी कॉम की जीत के फैसले का जोरदार विरोध किया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बाई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने बीच में आकर हालात नियंत्रित किए। अजय सिंह ने उन्हें रिंग के पास से हटने को कहा और निराश निखत ने खुद उन्हें शांत कराया। बाद में एपी रेड्डी ने कहा कि इस तरह की राजनीति में मुक्केबाजी आगे कैसे बढ़ेगी। वहीं, अजय सिंह ने कहा कि मेरी कॉम के बारे में कोई क्या कह सकता है, यह हमेशा ही कम होगा। उन्होंने कहा कि मेरी कॉम एक प्रतिभाशाली मुक्केबाज हैं। जहां तक निखत की बात है तो वह भविष्य के लिए अच्छी उम्मीद हैं और उन्होंने इस मुकाबले में भी प्रभावित किया।

तैयारी

श्राइन बोर्ड के आध्यात्मिक केंद्र के ऑडिटोरियम में उपलब्ध होगी सुविधा

नववर्ष पर मां वैष्णो की अटका आरती होगी लाइव

राकेश शर्मा, कटड़ा

माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड नववर्ष पर आधार शिविर कटड़ा में मां वैष्णो देवी की दिव्य लाइव अटका आरती की सुविधा शुरू कर रहा है। जनवरी में यह सुविधा आधार शिविर कटड़ा में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के आध्यात्मिक केंद्र के ऑडिटोरियम में उपलब्ध होगी।

वातानुकूलित ऑडिटोरियम में 450 श्रद्धालु बैठकर स्क्रीन पर लाइव अटका आरती का आनंद ले सकेंगे। श्राइन बोर्ड 70 एमएम की सिल्वर स्क्रीन लगाएगा। वहीं, डॉलबी सिस्टम लगाया जाएगा। लाइव आरती के दौरान बिजली कटौती से किसी भी तरह की रुकावट न पड़े, इसके लिए त्रिस्तरीय बिजली व्यवस्था की जाएगी। ऑडिटोरियम इस तरह से अत्याधुनिक बनाया जाएगा कि श्रद्धालु खुद को प्राचीन गुफा के प्रांगण यानी अटका आरती स्थल पर बैठा महसूस कर सकें।

मिलेंगी सुविधाएं

लाइव अटका आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को श्राइन बोर्ड के आध्यात्मिक केंद्र में क्लॉक रूम के साथ ही शौचालय आदि की सुविधा भी मिलेगी। जलपान केंद्र की भी स्थापना की जाएगी, ताकि आरती में शामिल श्रद्धालु खरीद कर चाय-कॉफी आधी पी सकें।

माता वैष्णो देवी। फाइल

क्या है अटका आरती :

हर श्रद्धालु यह उम्मीद करता है कि उसे भी मां वैष्णो देवी की आरती में शामिल होने का मौका मिले। लेकिन मां वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा का प्रांगण, जिसे अटका स्थल भी कहा जाता है, सीमित स्थल होने के कारण हर कोई दिव्य आरती में शामिल नहीं हो सकता है। सीमित जगह होने के कारण एक बार में 200 से 300 श्रद्धालु ही बैठ सकते हैं। वहीं, अटका आरती का 2,000 रुपये प्रति श्रद्धालु शुल्क होने के कारण हर श्रद्धालु इसमें शामिल नहीं हो पाता।

श्राइन बोर्ड के केंद्रों में खोले जाएंगे बुकिंग काउंटर

लाइव अटका आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आध्यात्मिक केंद्र के साथ ही यात्रा पंजीकरण केंद्र, पूछताछ एवं आरक्षण केंद्र, निहारिका कांप्लेक्स आदि में बुकिंग काउंटर खोले जाएंगे, ताकि श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा कर इस लाइव अटका आरती में शामिल हो सकें।

श्रद्धालुओं से लिया जाएगा मामूली शुल्क : लाइव अटका आरती में शामिल होने के लिए मामूली शुल्क होगा, जो 20 से लेकर 50 रुपये के बीच हो सकता है।

श्रद्धालुओं को मिलेगा प्रसाद : लाइव अटका आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क मिश्री का प्रसाद उपलब्ध करवाने के साथ ही मां वैष्णो देवी की आरती की किताब व पटका आदि भी निशुल्क दिया जाएगा। ठीक उसी तरह जैसे मां वैष्णो देवी की दिव्य आरती में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को दिया जाता है।

पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया नित्यानंद स्वामी का आश्रम

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

- आश्रम दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में अवैध रूप से बनाया गया था
- आश्रम की दो संचालिकाएं फिलहाल गुजरात में न्यायिक हिरासत में हैं

दो साधिकाओं के अचानक लापता होने के बाद विवादों में आए नित्यानंद स्वामी के आश्रम को अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण ने ध्वस्त कर दिया है। यह आश्रम दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में अवैध रूप से बनाया गया था। उधर, दोनों लापता साधिकाओं के वेस्टइंडीज के बारबडोस में होने का पता चला है।

नित्यानंद स्वामी के पूर्व साधक ने बेंगलुरु आश्रम से अपनी दो पुत्रियों को उनकी मंजूरी के बिना अहमदाबाद आश्रम में लाने पर विरोध जताया था।

इस मामले में पुलिस शिकायत के बाद जांच हुई तो पता चला कि आश्रम डीपीएस स्कूल परिसर में गैरकानूनी तरीके से बनाया गया है। इस मामले में डीपीएस संचालकों व आश्रम संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

इसी बीच, अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण ने शनिवार को नित्यानंद के आश्रम पर हथौड़ा चला दिया। आश्रम को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। उधर, लापता बहनों ने हाई कोर्ट को भेजे अपने शपथपत्र में भारत में खुद की जान को खतरा बताते हुए यहां आने पर पुख्ता सुरक्षा की मांग की है।

अहमदाबाद आश्रम की दो संचालिका प्राणप्रिया और तत्वप्रिया फिलहाल गुजरात में न्यायिक हिरासत में हैं। इन दोनों पर मासूम बच्चों के साथ मारपीट करने और बालश्रम के अलावा अपहरण जैसे संगीन आरोप हैं।